खंड–2

उपखंड–4

प्राचीन भारत में धर्म एवं दर्शन

(Religion and Philosophy in Ancient India)

By Manikant Singh

1. भारत के धार्मिक इतिहास के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये-

1. बोधिसत्व, बौद्धमत के हीनयान संप्रदाय की केंद्रीय संकल्पना है।
2. बोधिसत्व अपने प्रबोध के मार्ग पर बढ़ता हुआ करूणामय है।
3. बोधिसत्व समस्त सचेतन प्राणियों को उनके प्रबोध के मार्ग पर चलने में सहायता करने के लिये स्वयं की निर्वाण प्राप्ति विलंबित करता है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

कूट:

(a) केवल 1
(b) केवल 2 और 3
(c) केवल 2
(d) 1, 2 और 3

2. प्राचीन भारतीय इतिहास के संदर्भ में, निम्नलिखित में से कौन-सा/से बौद्ध धर्म और जैन धर्म दोनों में समान रूप से विद्यमान था/थे?

1. तप और भोग की अति का परिहार
2. वेद-प्रामाण्य के प्रति अनास्था
3. कर्मकांडों की फलवत्ता का निषेध

निम्नलिखित कूटों के आधार पर सही उत्तर चुनिये:

(a) केवल 1
(b) केवल 2 और 3
(c) केवल 1 और 3
(d) 1, 2 और 3

3. ऋग्वैदिक आर्यों का धर्म प्रमुखतः था–

(a) भक्ति

(b) मूर्ति पूजा एवं यज्ञ

(c) प्रकृति पूजा एवं यज्ञ

(d) प्रकृति पूजा एवं भक्ति

4. निम्नलिखित में कौन-सा दर्शन जैन दर्शन के निकट है?

(a) सांख्य

(b) योग

(c) वैशेषिक

(d) न्याय

5. निम्नलिखित में से कौन-सा/से प्राचीन काल में गैर-आर्य पंथ के लक्षण रहे हैं?

1. अद्वैतवादी चिंतन
2. भक्तिवाद
3. तंत्रवाद

कूट:

(a) केवल 1 और 2
(b) केवल 2
(c) केवल 2 और 3
(d) 1, 2 और 3

6. महायान बौद्ध पंथ के विषय में क्या सत्य है?

1. इसने बौद्ध पंथ को अधिक लोकप्रिय बनाया।

2. इसने मूर्तिपूजा को प्रोत्साहन दिया।

3. इसने बौद्ध पंथ को ब्राह्मण पंथों के निकट ला दिया।

कूट:

(a) केवल 1

(b) केवल 1 और 2

(c) केवल 2 और 3

(d) 1, 2 और 3

7. प्राचीन काल में निम्नलिखित में किस धार्मिक पंथ पर तंत्रवाद का प्रभाव सबसे कम था?

(a) ब्राह्मण पंथ

(b) जैन पंथ

(c) बौद्ध पंथ

(d) शैव पंथ

मुख्य परीक्षा

प्रश्नः भारत में बौद्ध धर्म के इतिहास में पाल काल अति महत्त्वपूर्ण चरण है। विश्लेषण कीजिये।

UPSC 2020, 150 शब्द